MOHAN LAL SUKHADIA UNIVERSITY, UDAIPUR

Syllabus for Screening Test for the Post of
ASSISTANT PROFESSOR IN HINDI

हिन्दी भाषा और साहित्य का इतिहास :

इकाई–1–

हिन्दी की बोलियाँ, राजस्थानी, अवधी और ब्रज, राजभाषा हिन्दी – संवैधानिक प्रावधान, तकनीकी शब्दों के पर्याय, मानक हिन्दी के प्रमुख व्याकरणिक लक्षण, देवनागरी लिपि–सुधार समितियाँ एवं मानकीकरण। संधि, समास, प्रत्यय एवं उपसर्ग।

इकाई–2–

हिन्दी के प्रमुख साहित्येतिहास : रचनाकार, काल। हिन्दी साहित्य का आरंभ, काल–विभाजन और नामकरण।

इकाई–3–

आदिकाल के अध्ययन की प्रमुख समस्याएँ, रूप, भाशा और प्रामणिकता। आदिकाल के प्रमुख कवि और उनकी रचनाएँ (सरहपाद, स्वयंभू, गोरखनाथ, चंद्रबरदाई, अमीर खुसरो, विद्यापति)।

इकाई–4–

भक्तिकाल	:	निर्गुण और सगुण।
संतकाव्य	:	प्रमुख कवि (कबीर, दादू, रैदास) और रचनाएँ।
सूफीकाव्य	:	हिन्दी के सूफी कवि और रचनाएँ।
रामभक्ति काव्य एवं कृशण भक्ति काव्य	:	प्रमुख कवि और उनकी रचनाएँ।

इकाई–5–

रीतिकाव्य : मुख्य धाराएँ – रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीति मुक्त – प्रमुख कवि {कोवशदास, देव, बिहारी, सेनापति, पद्माकर, मतिराम, भिखारीदास, भषण, घनानंद, सूर्यमल मीसण (वीर सतसई केवल)}।

इकाई–6–

आधुनिकता एवं नव जागरण : भारतेन्दु और उनका मण्डल। महावीर प्रसाद द्विवेदी और उनका युग। छायावाद – प्रमुख कवि (प्रसाद, पंत, निराला, महादेवी) और रचनाएँ। प्रगतिवाद–प्रयोगवाद (सप्तक काव्य), नई कविता, समकालीन कविता के प्रबंध काव्य (प्रमुख कवि – केदार नाथ अग्रवाल, नागार्जुन, अज्ञेय, शमशेर, मुक्तिबोध, धर्मवीर भारती, रघुवीर सहाय, धूमिल)।

हिन्दी उपन्यास, नाटक, एकांकी, कहानी, निबंध, आलोचना, जीवनी, संस्मरण एवं आत्मकथा।

दलित विमर्श : लेखक और कृतियाँ।

हिन्दी की प्रमुख साहित्यक संस्थाएँ तथा पत्र पत्रिकाएँ।

भारतीय काव्य शास्त्र :

इकाई—7—

——काव्य लक्षण, काव्य हेतु।

——रस सिद्धान्त : रस के अव्यव – स्थायी भाव, विभाव, अनुभाव, संचारी भाव (काव्य में इन सब की पहचान)।

——अलंकार सिद्धान्त : अलंकार का स्वरूप, महत्व।

——रीति सिद्धान्त : रीति का स्वरूप, भेद, काव्य, गुण, गुण और आलंकार का संबंध।

——ध्वनि सिद्धान्त : ध्वनि का स्वरूप, भेद, असंलक्ष्यक्रम, व्यंग्य (रस—ध्वनि, भावोदय, भाव—शांति, भाव— शबलता और भाव—संधि)।

——वक्रोक्ति सिद्धान्त : वक्रोक्ति का स्वरूप और मुख्य छह भेद, वक्रोक्ति और स्वभावोक्ति।

पाश्चात्य काव्य शास्त्र :

इकाई—8—

——अरस्तू :. त्रासदी और उसके तत्व।

——लोंजाइनस : उदात्त की अवधारण (कथानक, चरित्र, भाषा—शैली और उद्देश्य का औदात्य)।

——वर्ड्सवर्थ : काव्य भाषा।

——कॉलरिज : कल्पना सिद्धान्त।

——क्रोचे : अभिव्यंजनवाद – सहजाभूति और कला।

——टी.एस.इलियट : वस्तुनिष्ठ समीकरण।

अलंकार, छनद एवं काव्य दोष :

इकाई—9—

——अलंकार : यमक, श्लेष, वक्रोक्ति, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, विभावना, संदेह, भ्रांतिमान, उदाहरण, दृष्टान्त, प्रतीप, व्यतिरेक, दीपक और ब्याज स्तुति।

——छन्द : चउपई—चौपाई, दोहा, सोरठा, रोला, उल्लाला, छप्पय, कुंडलिया, गीतिका, हरिगीतिका, मालिनी, मंदाक्रांता, शिखरिणी, वंशस्थ और द्रुतविलंबित।

——दोष : ग्राम्यत्व, श्रुतिकटुत्व, अश्लीलत्व, अक्रमत्व, न्यूनपदत्व, अधिकपदत्व, अप्रतीत्व, क्लिष्टत्व, च्युत – संस्कृति।

इकाई–10–

अभ्यर्थी से यह अपेक्षा की जाती है कि उसने निम्नलिखित ग्रन्थों का सांगोपांग अध्ययन किया है –

1. पद्मावती समय – चंद बरदाई।
2. कबीर – सं. हजारी प्रसाद द्विवेदी। (पद संख्या 163 से 202 – कुल 40 पद)।
3. कामायनी – प्रसाद (श्रद्धा एवं लज्जा सर्ग)।
4. राम की भाक्ति पूजा – निराला।
5. असाध्य वीणा – अज्ञेय।
6. गोदान – प्रेमचंद।
7. बाणभट्ट की आत्मकथा – हजारी प्रसाद द्विवेदी।
8. ढोलन कुज कली – यादवेन्द्र शर्मा चंद्र।
9. आसाढ़ का एक दिन – मोहन राकेश।
10. अंधायुग – धर्मवीर भारती।
11. चिन्तामणी भाग – एक – रामचंद्र शुक्ल (केवल तीन निबंध – उत्साह, श्रद्धा और भक्ति एवं लोभ और प्रीति)।

उपरिलिखित दस इकाइयों में प्रत्येक से 10 प्रश्न पूछे जायेंगे। प्रत्येक प्रश्न एक अंक का होगा। कुल प्रश्न–पत्र 100 अंक का होगा।

Pattern of Question Papers :

1. Objective Type Paper.
2. Maximum Marks : 100
3. Number of Question : 100
4. Duration of Paper : Two Hours.
5. All Questions carry equal marks.
6. There will be **Negative Marking** for wrong answer.

* * * * *